

Q:- Define meaning of Rumour
Explain?

Ans:- Rumour एक ऐसा शब्द है जिसका सम्बन्ध मनुष्य से है। Rumour का सम्बन्ध मनुष्य के काल्पनिक चिन्तन से है। जनप्रवाद में मनुष्य के काल्पनिक चिन्तन की मिलावट जितनी बढ़ती जाती है Rumour का आकार भी उसी प्रकार से बढ़ता जाता है यह ऐसा शब्द है जिसमें मनुष्य का काल्पनिक चिन्तन जितना अधिक जड़ता है Rumour का रूप भी अधिक निरुत्तरता है कहने का अर्थ यह है कि अधिक मनुष्य का चिन्तन से Rumour का वल्लभ अधिक होता है।

अफवाह एक अधिक प्रचलित शब्द है। दैनिक जीवन में हम सभी इस शब्द को अक्सर सुनते हैं। Rumour पर बहुत से मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री ने इसका परिमाण इस प्रकार से छरपछर किया है।

① G.W. Allport and L. Postman:-
A rumour is a specific (ortopical)

preposition for belief passed along from person to person, usually by word of mouth, without secure standard of evidence being present."

② इप्रॉट ने भी इसका परिभाषा इस प्रकार से दी है।

"It is perfectly plausible to call any story that passes from mouth to mouth, 'rumour' because in the passing it is liable to undergo certain changes."

अफवाह किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना, समुह आदि किसी के सम्बन्ध में भी हो सकती है। Rumour पर अध्ययन करने से यह पता चला है कि अफवाह बनने में देर लगती है लेकिन यह जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलती है। Rumour का प्रभाव कितना व्यापक होगा यह उस बात पर निर्भर करता है कि Rumour किस के सम्बन्ध में है और कितना महत्वपूर्ण है। Rumour का प्रभाव रसगन्धकारों में हो सकता है।

युद्धकालीन अवस्था में Rummour
का बहुत अधिक महत्व होता है
Rummour को दूसरे मनों विज्ञानिक
ने इस प्रकार से स्पष्ट किया है
किम्बल टांग के अनुसार " Rummour
संज्ञा का एक विशेष प्रकार है या
एक कहानी है जो किसी वास्तविक या
काल्पनिक व्यक्ति के सम्बन्ध में फैलने
के साथ साथ बढ़ती है

अप्यक्त परिभाषाओं से यह
स्पष्ट होता है कि Rummour विश्वास
के लिये एक कथन या सुनी रिपोर्ट है
जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक
सूत्रों द्वारा फैलने में कुछ न कुछ
पास्तित होती है Rummour किसी
व्यक्ति, वस्तु या घटना के सम्बन्ध में
हो सकती है यह व्यक्ति, वस्तु और
घटना आदि वास्तविक भी हो सकते
हैं और काल्पनिक भी हो सकते हैं

इस पर एक व्यक्ति ने सुनी
अफवाह फैलाकर समाजिक वातावरण
को खराब कर देते हैं और समाज के
आपसी सम्बन्धों को बिगाड़ देते हैं।
इस से समाजिक जीवन पर बुरा

मेरी पड़ता है लेकिन युद्ध अवस्था में कभी कभी महत्वपूर्ण काम भी होता है और हानि भी होता है।

Ramchar समाजिक जीवन प्रतिदिन कुछ न कुछ होता ही रहता है कभी सुख भी होता है कभी मुठ भी होता है। यह व्यक्ति के मुख के द्वार फैलता है। Ramchar के द्वारा कभी कभी सामाजिक जीवन में बिगाड़ उत्पन्न हो जाता है और आपसी सम्बंध और भाई-चारे बिगाड़ जाते हैं।

→